

11.06.25

पजावली के 500 वारी एवं वारी के
वकील इरजि नही। कि किना आवाजे
है बाई गरी कोई उपलब्ध नही आवा
के इहल आदम हाजरी अहम पैली
में अराम किया जाता है पजावली
मिर्जात हाजरी लैला हा इक हा
मिर्जात हुनाथा गाय

